विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए प्राचार्य कर्नल (रि.) डॉ. अरविंद सिंह कुशवाहा

दिनांक : 07 जनवरी, 2025 महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में मिशन शक्ति योजना के पांचवे चरण द्वारा आयोजित व्याख्यान विषय सशस्त्र बलों में महिलाओं की भूमिका विषय पर व्याख्यान देते हुए प्राचार्य कर्नल (रि.) डॉ. अरविंद सिंह कुशवाहा श्री गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर ने कहा कि भारतीय सेना में महिलाओं की भर्ती भारत सरकार की सकारात्मक पहल रहा है। महिलाओं में रचनात्मक सृजन और नवाचार, निर्णय लेने और परिणाम के प्रति समर्पण भाव अर्पण किया है। देश में महिलाओं ने सेना क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित करके समाज के लिए रोल मॉडल और प्रेरणा दिया है। वर्तमान आंकड़ों में भारतीय सेना, वायु और नौ सेना में कुल नौ हजार चौरासी महिला कार्मिक सेवारत है। जो अपने अदम्य साहस और कर्तव्य निष्ठा से रक्षा क्षेत्र में स्वर्णिम इतिहास लिख रही है।

शिव और शक्ति के बिना सृष्टि की कल्पना नहीं की जा सकती है। महिलाएं पुरुषों की अपेक्षा प्रकृति के रूप में श्रेष्ठ है। लक्ष्मीबाई से कैप्टन लक्ष्मी सहगल की परंपरा में नारी ने युद्ध के मैदान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, चंद्रयान के लैंडिंग स्थल भी शिवशक्ति थी। महिलाएं कभी भी नकारात्मक या हीन भावना से ग्रसित न हो, चूल्हे से लेकर सशस्त्र सेवा में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। व्याख्यान विषय पर एन.सी.सी. अधिकारी लेफ्टिनेंट (डॉ.) संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि रक्षा क्षेत्र में महिलाओं के लिए अनंत स्वर्णिम द्वार खुले हुए हैं । आत्मस्वयं शक्ति, कुशल नेतृत्व और देश सेवा का संकल्प रक्षा क्षेत्र का मूल है। महिलाओं ने घर की चार दिवारी को लांघ कर अब रक्षा क्षेत्र में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश सेवा में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं।

सैन्य सेवा में रोजगार की संभावना पर प्रोत्साहित करते हुए डॉ. संदीप श्रीवास्तव ने कहा कि भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना में महिलाओं की भूमिका एक समय तक सीमित थी, लेकिन पिछले कुछ दशकों में महिलाओं के लिए विभिन्न सैन्य सेवाओं में प्रवेश के अवसर बढ़े हैं। आज, महिलाएं भारतीय सैन्य बलों में महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत हैं और उनकी भूमिका न केवल युद्धक गतिविधियों तक सीमित है, बल्कि वे रणनीतिक निर्णय लेने में भी शामिल हैं। भारतीय सेना में पहले महिलाओं की नियुक्त चिकित्सा सेवाएं प्रशासनिक और सहायक कार्यों में होती थी। भारत सरकार ने महिलाओं को स्थायी कमीशन देकर अनंत स्वर्णिम अवसरों के द्वार खोल दिया है। आज भारतीय सेना में महिलाएं न केवल प्रशासनिक कार्यों में बल्कि युद्धक भूमिकाओं में भी कार्यरत हैं। भारतीय सेना में महिलाएं अब सेना, वायुसेना और नौसेना के अलावा भी विभिन्न महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। महिलाएं अब भारतीय सेना के प्रमुख अभियानों, युद्धों और संकटों में भी भाग ले रही हैं। सैन्य सेवाओं से महिलाओं को न केवल एक पेशेवर वातावरण देकर आत्मनिर्भर बनने के लिए भी प्रेरित करता हैं। भारतीय सेना में प्रतिष्ठित महिला अधिकारियों और सैनिकों ने सैन्य अभियानों में सम्मिलित होकर अपने शौर्य, अदम्य साहस से देश को गौरांवित किया है। रक्षा क्षेत्र में मेडिकल विंग्स, लॉ, प्रशासनिक, इंजीनियरिंग, आर्म्स और सर्विसेज, राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, वायु सेना में लड़ाकू पायलट, नेवी पायलट के लिए स्वयं को तैयार कर सकती हैं।

कार्यक्रम का संचालन अंडर आफिसर अंशिका सिंह ने किया। व्याख्यान में प्रमुख रूप से अंडर आफिसर अंशिका सिंह, कैडेट आशुतोष मणि त्रिपाठी और अस्मिता सिंह ने सशस्त्र सेना में महिलाओं की भूमिका पर सभी को जागरूक किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से फार्मेशी संकाय के प्राचार्य डॉ. शशिकांत सिंह, सहायक आचार्य डॉ. अभिषेक सिंह, श्रीमती जूही तिवारी सहित राष्ट्रीय सेवा योजना के माता शबरी इकाई के स्वयं सेवकों सहित राष्ट्रीय कैडेट कोर के कॉरपोरल अभिषेक चौरसिया, खुशी यादव, शालनी चौहान, संजना शर्मा, अमृता कन्नौजिया, अनुभव पांडेय, नीलेश यादव, अभिषेक मिश्रा, शिखर पाण्डेय, उजाला सिंह, पार्वती साहनी, अनुराधा विश्वकर्मा सहित संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के सभी शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहें।